GIRLS' HIGH SCHOOL & COLLEGE, PRAYAGRAJ
SESSION - 2020 - 2021
CLASS - VIIIth A, B, C, D, E
SUB - HINDI LANGUAGE
WORKSHEET NO. 03

निर्देश :- अभिवावकों से ये अपेक्षा की जाती है कि वे ये सुनिश्चित करें कि छात्रा दी गई विषयवस्तु एवं पाठ का दो दिनों तक ध्यानपूर्वक अध्ययन करे, तत्पश्चात् दिए गए प्रश्नों का निर्देशानुसार उत्तर दे।

नोट :- पाठ्यपुस्तक :- उद्बोधन व्याकरण शृंखला - भाग - 8
वेवसाइट :- यू ट्यूब H.S. SSC NOTES for all.

व्याकरण

(समास, शब्द भण्डार, अपठित गद्यांश, पत्र, निबन्ध)

समास :- जब संक्षेप के लिए दो या दो से अधिक शब्दों को मिलाकर एक नवीन शब्द / पद बनाया जाता है तो उसे **'समास'** कहते हैं।

समास की इस प्रक्रिया से जो शब्द बनते हैं, उन्हें **'समस्त पद'** कहते हैं। जैसे - शरणागत, महापुरुष।

समस्त पदों को अलग करने की प्रक्रिया को **'समास - विग्रह'** कहते हैं। जैसे - नर-नारी = नर और नारी, विद्यालय = विद्या के लिए आलय।

प्रत्येक समास में **दो पद** होते हैं। इनमें पहले पद को पूर्व / प्रथम / पहला पद तथा दूसरे पद को उत्तर / द्वितीय / दूसरा पद कहते हैं।

उदाहरण :-

समस्त पद	समास - विग्रह	समास का नाम
रसोईघर	रसोई के लिए घर	तत्पुरुष
महात्मा	महान है जो आत्मा	कर्मधारय
सप्तर्षि	सात ऋषियों का समूह	द्विगु
रात-दिन	रात और दिन	द्वन्द्व
दशानन	दस हैं आनन (मुख) जिसके अर्थात रावण	बहुव्रीहि

Scanned with CamScanner

समास के भेद :- समास के चार भेद होते हैं :-

1. अव्ययीभाव समास
2. द्वन्द्व समास
3. बहुव्रीहि समास
4. तत्पुरुष समास - उपभेद - (1) द्विगु (2) कर्मधारय

प्रश्न - 1 - दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-

(i) समास की उदाहरण सहित परिभाषा लिखिए ।

(ii) समस्त पद किसे कहते हैं ?

(iii) समास - विग्रह किसे कहते हैं ?

(iv) प्रत्येक समास में कुल कितने पद होते हैं ? नाम भी लिखिए ।

(v) निम्नलिखित समस्त पदों का समास - विग्रह कीजिए :- चौराहा, लंबोदर ।

(vi) समास के कितने भेद होते हैं ? प्रत्येक का नाम भी लिखिए ।

(vii) तत्पुरुष समास के कितने उपभेद हैं ? इनके नाम भी लिखिए ।

प्रश्न - 2 - निर्देशानुसार उत्तर लिखिए :-

(i) अधोलिखित शब्दों के दो - दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :-
संग्राम, हाथी, स्वर्ण, समुद्र, सर्प ।

(ii) अधोलिखित शब्दों के विलोम लिखिए :-
कर्म, तटस्थ, अनुज, अनुरक्ति, छल ।

(iii) अधोलिखित अनेकार्थी शब्दों के अर्थ लिखिए :-
अंश, अंबर, योग, भव, जीवन ।

Scanned with CamScanner

(iv) अधोलिखित श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्दों के अर्थ लिखिए :-
शोक - शौक, मूल - मूल्य, भव - भव्य,
अनल - अनिल, रक्त - रिक्त ।

(v) अधोलिखित अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए :-
जिसे शाप दिया गया हो, कम उम्र वाला, हिंसा करने वाला, जिसका दमन न हो सके, आम का बाग ।

(vi) अधोलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए :-
आसमान सिर पर उठाना, आँखें बिछाना, आँखें दिखाना, अंधे की लकड़ी, ईंट से ईंट बजाना ।

प्रश्न - 3 - पत्र लेखन :-

अपने मोहल्ले के पार्क की सुव्यवस्था के लिए प्रयागराज विकास प्राधिकरण के अधिकारी को पत्र लिखिए ।

प्रश्न - 4 - निबन्ध लेखन

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबन्ध लिखिए :-

(i) स्वदेश - प्रेम

(ii) परोपकार : परम धर्म

प्रश्न - 5 - अधोलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। उत्तर आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :-

यह कहानी एक अन्यायी और स्वार्थी राजा के विषय में है। उसकी दृष्टि में दया और करुणा का कोई महत्व नहीं था। वह बड़े - बड़े

Scanned with CamScanner

नगरों पर आक्रमण करता और उन्हें तहस - नहस कर देता। छोटे - छोटे गाँवों को उजाड़ना तो उसके लिए साधारण बात हो गई थी। उसने मनोरंजन करने का यही साधन बना लिया था। उसके अमानवीय कार्यों से सभी दुःखी रहते थे परंतु किसी में इतना साहस न था कि उसका विरोध करता। राजा का मंत्री बहुत उदार एवं दयालु था। उजड़े हुए गाँव, जलते हुए नगर तथा नष्ट होते हुए खेतों को देखकर उसका हृदय काँप उठता। वह कभी-कभी राजा से कुछ कह भी देता, पर राजा के कानों पर जूँ तक न रेंगती। मंत्री ने बहुत सोचा-विचारा और अंत में उसे एक उपाय सूझ ही गया। उसने पूरे राज्य में इस बात का प्रचार करवा दिया कि वह पशु - पक्षियों की भाषा समझ सकता है। धीरे - धीरे यह ख़बर राजा के कानों तक भी पहुँच गई। एक दिन राजा ने शिकार खेलने का कार्यक्रम बनाया। मंत्री भी साथ था। दिनभर शिकार खेलते - खेलते सायंकाल हो गया। राजा और मंत्री ने अपने घोड़े राजधानी की ओर मोड़ दिए। राजा ने किसी पक्षी के बोलने की आवाज़ सुनी तो घोड़ा रोक दिया। मंत्री से पूछा - "यह कौन-सा पक्षी बोल रहा है?" मंत्री ने उत्तर दिया - "यह उल्लू बोल रहा है।" तभी एक हल्की आवाज़ और आई। राजा ने कहा - "तुम पक्षियों की बोली भली - भाँति समझ लेते हो। भला यह तो बताओ, ये पक्षी परस्पर क्या बातें कर रहे हैं?" मंत्री ने घोड़ा रोका और ध्यान से पक्षियों की बातें सुनने लगा। कुछ क्षण के उपरांत बोला - हुज़ूर! ये जो बातें कर रहे हैं, वह आपसे नहीं कही जा सकतीं।" राजा ने क्रोधित होकर कहा - "पक्षियों ने क्या बातें की हैं जो मेरे सुनने के योग्य नहीं हैं। जल्दी बताओ, नहीं तो तुम्हें प्राणों से हाथ धोना पड़ेगा।" मंत्री बोला - "मैं पूरी बात

Scanned with CamScanner

बता देता हूँ, किंतु आप वचन दें कि आप क्रोधित नहीं होंगे।" फिर मंत्री ने कहा कि - "नर उल्लू ने मादा उल्लू के सामने विवाह का प्रस्ताव रखा है। मादा उल्लू उससे कह रही है कि अगर तुम मुझे सौ उजड़े हुए गाँव भेंट करोगे तो मैं तुमसे विवाह करूँगी।" नर उल्लू ने उत्तर दिया कि - "जब तक इस देश का राजा सलामत है, तब तक ऐसे सौ क्या, हज़ार उजड़े हुए गाँव मैं तुम्हें भेंट कर सकता हूँ।" अब राजा को पूरी बात समझ में आ गई। उसने एक विशेष दृष्टि से मंत्री की ओर देखा और घोड़ा आगे बढ़ा दिया। राजा ने मन-ही-मन प्रतिज्ञा की कि वह अब कभी किसी नगर पर हमला नहीं करेगा। मंत्री अपने उद्देश्य में सफ़ल रहा।

(i) किन बातों से पता चलता है कि राजा अन्यायी था?

(ii) राजा का मंत्री कैसा था? उसे किस बात का दुःख था?

(iii) मंत्री ने राज्य भर में यह खबर क्यों फैलाई कि वह पशु-पक्षियों की भाषा समझ सकता है?

(iv) राजा के पूछने पर कि पक्षी क्या बात कर रहे हैं, मंत्री ने कौन-सी कहानी सुनाई?

(v) उस कहानी का राजा पर क्या प्रभाव पड़ा? इस गद्यांश से आपको क्या शिक्षा मिलती है, अपने शब्दों में लिखिए।

END

Scanned with CamScanner